<u>अत्यंत गोपनीय-केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु</u>

सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट टर्म – II परीक्षा, 2022

अंक-योजना

हिंदी (ऐच्छिक)

विषय कोड--002

प्रश्न-पत्र कोड--29/3/3

सामान्य निर्देश:-

1. आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी भूल भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा- प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को पढ़ और समझ लें।
2. मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किये गए मूल्यांकन तथा कई अन्य पहलुओं से संबंधित है | इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक रूप से लीक होना परीक्षा- प्रणाली के पटरी से उतरने का कारण बन सकता है और लाखों परीक्षार्थियों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है | इस नीति /दस्तावेज को किसी को भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना IPC के तहत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है |
3. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह और निष्ठापूर्वक किया जाए। हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ।
4. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करे और आश्वस्त हो कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर- पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब वह आश्वस्त हो कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।
5. परीक्षक सही उत्तर पर सही का निशान (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (×) । मूल्यांकन-कर्ता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह भूल सर्वाधिक की जाती है।
6. यदि किसी प्रश्न का उपभाग हो तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर दायीं ओर अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग बायीं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।

7. यदि किसी प्रश्न का कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।

8. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों उन्हें ही स्वीकार करें/ उन्हीं पर अंक दें।

9. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर अंक न काटे जाएँ।

10. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0 – 40 (उदाहरण 0--40 अंक जैसा कि प्रश्न-पत्र में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।

11. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है और प्रतिदिन मुख्य विषयों की 30 उत्तर-पुस्तिकाएँ तथा अन्य विषयों की 35 उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)

12. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं-
- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
- उत्तर में दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर-पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि।
- योग करने में अंकों और शब्दों में अंतर होना।
- उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि।
- उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना किंतु अंक न देना।

MARKING SCHEME

Senior Secondary School Examination
Term–II, 2022

हिन्दी ऐच्छिक (विषय कोड : 002)

[पेपर कोड : 29/3/3]

समय : 2 घंटे **पूर्णांक** : 40

सामान्य निर्देश :

- अंक-योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।
- वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक-योजना में दिए गए उत्तर-बिंदु अंतिम नहीं हैं, ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं।
- यदि परीक्षार्थी इन संकेत-बिंदुओं से भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दें, तो उसे अंक दिए जाएँ।
- उचित उत्तर दिए जाने पर पूर्णांक भी दिए जा सकते हैं।
- मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं बल्कि अंक-योजना के निर्देशानुसार ही किया जाए।

Q. No.	EXPECTED ANSWER / VALUE POINTS	Marks
	SET—C3 **खण्ड—क**	
1.	किसी **एक** शीर्षक पर लगभग *150* शब्दों में रचनात्मक लेख : • भूमिका—1 अंक • विषयवस्तु—3 अंक • भाषा—1 अंक	5×1 5
2.	**दो** में से किसी **एक** विषय पर पत्र लेखन (लगभग *120* शब्दों में) : • आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ—1 अंक • विषयवस्तु—3 अंक • भाषा—1 अंक	5×1 5

3.	प्रश्नों के अपेक्षित उत्तर:- (शब्द-सीमा लगभग *50* शब्द) (क) • कथानक कहानी का वह संक्षिप्त रूप, जिसमें प्रारंभ से लेकर अंत तक सभी घटनाओं और पात्रों का उल्लेख निहित • कथानक कहानी का केंद्रीय बिंदु • कथानक कहानी का सूत्र • कल्पना से कथानक का विस्तार • इसी के आधार पर लेखक अपने उद्देश्यों से मेल खाता, संभावित ढाँचा तैयार करता है *(कोई तीन अपेक्षित बिंदु स्वीकार्य)* **अथवा** • नाटक जीवन की यथार्थ स्थिति का अंकन होने के कारण जीवंत माध्यम • सकारात्मक व नकारात्मक दोनों परिस्थितियों का समावेश • चरित्रों के माध्यम से जीवन को दृश्यता प्रदान करना • भूत और भविष्य का वर्तमान में घटित होना *(कोई तीन अपेक्षित बिंदु स्वीकार्य)* (ख) नाटक का काम बिना संवादों के नहीं चल सकता क्योंकि इसका मंचन किया जाता है। नाटक के लिए तनाव, उत्सुकता, रहस्य, रोमांच और अंत में उपसंहार जैसे तत्त्व अनिवार्य हैं और इसके लिए आपस में विरोधी विचारधाराओं का संवाद जरूरी है। अच्छा नाटक वही है जो बोले गए शब्दों से, लिखे गए शब्दों से ज़्यादा वह ध्वनित करे, जो लिखा या बोला नहीं जा रहा। **अथवा** • संचार का इससे बड़ा कोई और माध्यम न होने के कारण • धर्म प्रचारकों द्वारा अपने सिद्धांत और विचार लोगों तक पहुँचाने के लिए • समाज में शिक्षा प्रदान करने के लिए • शायद शिक्षा का बहुत अधिक प्रचार-प्रसार न होने के कारण *(कोई दो अपेक्षित बिंदु स्वीकार्य)*	3+2	
		5	

4.	प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित (शब्द-सीमा लगभग *50* शब्द) (क) • खेल से जुड़ी जानकारियों का विश्लेषण रोमांचक ढंग से करना • भाषा में ऊर्जा, जोश तथा उत्साह का संचार आवश्यक • उलटा पिरामिड शैली से आरंभ कर दूसरे पैराग्राफ़ में कथात्मक यानी घटनाक्रम शैली का प्रयोग कर **अथवा** • विशेष लेखन, सामान्य लेखन से हटकर क्षेत्र-विशेष से जुड़े लोगों से संबंधित • इसकी भाषा-शैली कुछ अलग और तकनीकी शब्दावली से युक्त • संबंधित विषय और क्षेत्रों की जरूरत के अनुसार पाठकों की समझ के अनुकूल भाषा तैयार करना (ख) • पत्रकार तीन प्रकार के होते हैं—पूर्णकालिक, अंशकालिक और फ्रीलांसर • भुगतान के आधार पर विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में लिखने वाले पत्रकार **अथवा** • जन-समस्याओं को उठाने के कारण • जनमत का प्रतिबिम्ब • पाठकों का अपना स्तंभ • नए लेखकों के लिए लेखन की शुरूआत करने के लिए • छूट गए महत्त्वपूर्ण मुद्दों को उठाने का अच्छा माध्यम	3+2
		5

	खंड—ख	
5.	किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित (शब्द-सीमा लगभग 50--*60* शब्द) : (क) भाव-सौन्दर्य— • श्रीकृष्ण के वियोग में विरहिणी नायिका की मार्मिक स्थिति का वर्णन • श्रीकृष्ण विरह में क्षण-क्षण क्षीण होने का वर्णन • शारीरिक दुर्बलता के कारण उठ-बैठ भी ना पाना शिल्प-सौन्दर्य— • मैथिली भाषा • अनुप्रास, पुनरुक्ति अलंकार, अतिशयोक्ति अलंकार • वियोग श्रृंगार • गेयात्मकता आदि (ख) • भरत की मनोदशा और पश्चाताप का बड़ा ही भावपूर्ण वर्णन • राम-वनगमन के लिए माता कैकयी को दोषी न ठहराकर स्वयं को /अपने भाग्य को उत्तरदायी ठहराना • साधु और पवित्रता को स्वयं नहीं आँका जा सकता आपके कर्मों द्वारा इसका ज्ञान होता है (ग) • दोनों ही नायिकाएँ अपने-अपने प्रिय क्रमशः राजा रत्नसेन और कृष्ण के वियोग से व्यथित हैं। • दोनों ही प्रिय -वियोग के कारण अत्यंत क्षीण हो गई हैं। • प्राकृतिक सुंदरता दोनों के दुख का उद्दीपन (कारण) बन गई है।	3×2 6
6.	किसी **एक** प्रश्न का उत्तर अपेक्षित (शब्द-सीमा लगभग *30–40* शब्द) : (क) • राम-वनगमन के लिए भरत ने माता कैकयी को दोषी न ठहरा विधाता और अपने भाग्य को दोषी ठहराया है। • उनके भाग्य में ही राम का स्नेह, साथ नहीं लिखा था इसलिए माता कैकयी माध्यम बनी। (ख) • प्रेम में प्रतिपल नया अनुभव होना • कई जन्मों से देखते रहने पर भी तृप्ति ना होना • मन, वचन, रूप में कहीं भी तृप्ति नहीं होना	2×1 2

7.	किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित (शब्द-सीमा लगभग *50–60* शब्द) : (क) • पर्यावरण सुरक्षा की समस्या • पर्यावरण के प्रति लोगों को सचेत करना • औद्योगीकरण का आम जीवन पर प्रभाव • आधुनिकता / औद्योगीकरण / विकास के कारण पलायन और विस्थापन की समस्या (ख) • शरतचंद्र के नायक देवदास की तरह संभव भी अपनी नायिका के लिए हरिद्वार की गली-गली में मारा-मारा फिर रहा था। • नायिका के नाम का ज्ञान होने पर अपना नाम भी संभव देवदास बताना। • दोनों के प्रेम में पवित्रता और रूमानियत दिखाई देना। • संक्षिप्त और सारगर्भित (ग) • पूँजीपति, सत्ताधारी, सुविधाभोगियों और प्रभुत्वशाली वर्ग की स्वार्थपरता का उल्लेख करना। • आम आदमी की बदहाली का वर्णन करना। • आम आदमी में अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने की शक्ति का न होना। • पूँजीपतियों में मानवीयता का अभाव	3×2 6
8.	किसी **एक** प्रश्न का उत्तर अपेक्षित (शब्द-सीमा लगभग *30–40* शब्द) : (क) • सुगढ़, सुंदर, सौम्य और आकर्षण के कारण • दीपकों के प्रकाश में युवती का सौंदर्य काँसे की तरह दमकने के कारण (ख) • सिंगरौली की संपन्नता के कारण शहरों के पूँजीपतियों और ठेकेदारों का ध्यान आकर्षित • संपदा का दोहन, उजाड़, लोगों का पलायन • संपदा प्राप्त करने के लिए अनेक योजनाओं द्वारा वहाँ की संस्कृति और प्रकृति को नष्ट करना	2×1 2
9.	किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित (शब्द-सीमा लगभग *30–40* शब्द) : (क) • बचपन की स्मृतियों के कारण • गाँव से प्रेम तथा लगाव • वहाँ के परिवेश में पले-बढ़े होने के कारण • मन में कुछ छवियों का ताजा रहना (ख) • कच्चे आम को भूनकर चीनी या गुड़ के साथ शरबत • कच्चे आम में ठंडक का गुण होना • परंपरागत औषधि • देह पर लेपने, नहाने से गर्मी शांत (ग) • पठार पर बरसात के पानी को रोकने के लिए तालाबों, बावड़ियों का बनवाना • धरती के गर्भ में पानी संचयन की व्यवस्था करना और उसे जीवंत रखना	2×2 4

* * *